भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 995
गुरुवार, 5 फरवरी, 2026/16 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से हवाई संपर्क

995. श्री दुरई वाइकोः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने यात्रियों की मांग, व्यापार, शिक्षा और पर्यटन को ध्यान में रखते हुए देश के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों, विशेषकर कोलकाता और गुवाहाटी में हवाई संपर्क का विस्तार करने की आवश्यकता का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उड़ान योजना अथवा अन्य विमानन योजनाओं के अंतर्गत उक्त विमानपत्तन से कोलकाता और गुवाहाटी के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है अथवा विचाराधीन है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी सेवाओं को शुरू करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को विनियमनमुक्त कर दिया गया था। एयरलाइनें किसी भी विमान प्रकार के साथ क्षमता को शामिल करने और सेवा एवं परिचालन हेतु स्वेच्छा से किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, यह एयरलाइन प्रचालकों पर निर्भर होता है कि वे अपनी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी हवाईअड्डे से/हवाईअड्डे के लिए हवाई सेवाएं शुरू करें।

'उड़ान' योजना में दी गई परिभाषा के अनुसार तिरुचिरापल्ली एक सेवित हवाईअड्डा है और इसलिए दो सेवित हवाईअड्डों को जोड़ने वाले मार्ग इस योजना के दायरे में नहीं आते हैं, जिसका प्राथमिक उद्देश्य असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को हवाई संपर्क प्रदान करना है।

इसके अतिरिक्त, मेसर्स इंडिगो और मेसर्स एअर इंडिया एक्सप्रेस तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से बैंगलोर, मुंबई, दिल्ली, शमशाबाद, चेन्नै और तिरुवनंतपुरम को जोड़ने वाली 144 उड़ानें (आगमन + प्रस्थान) परिचालित करती हैं।

*****